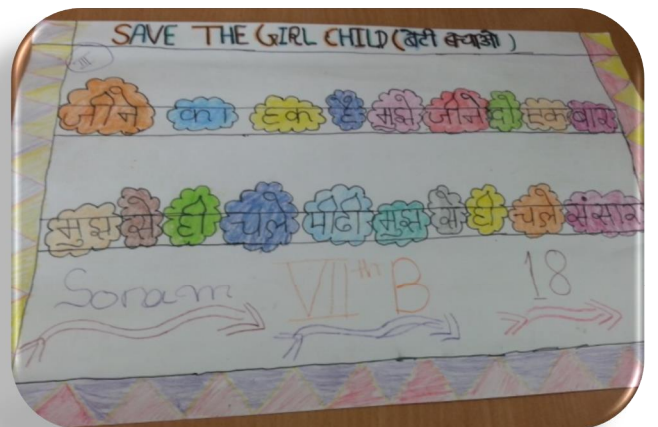
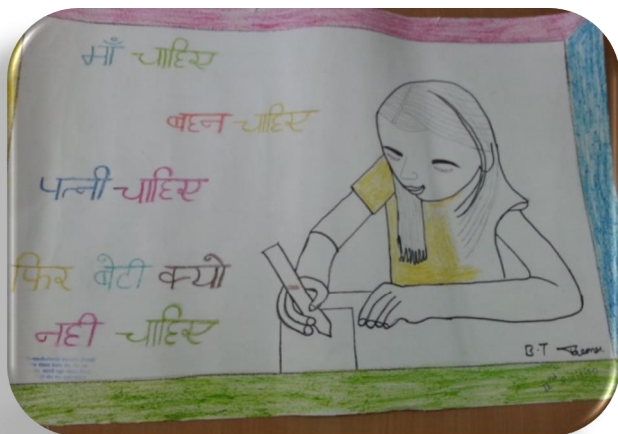
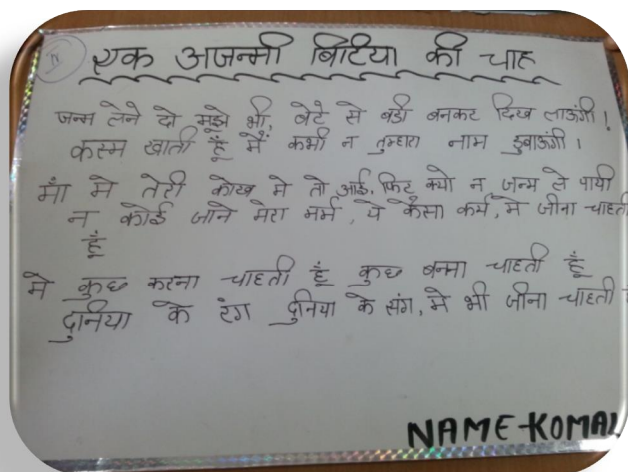
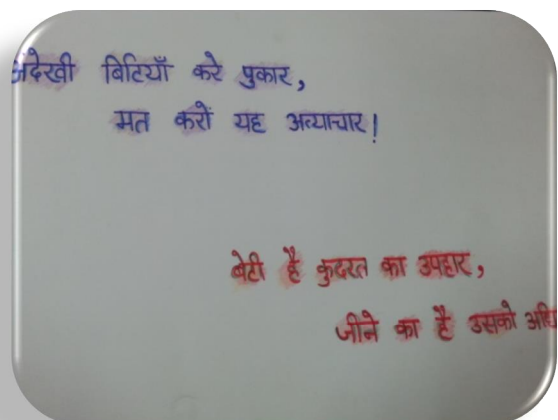
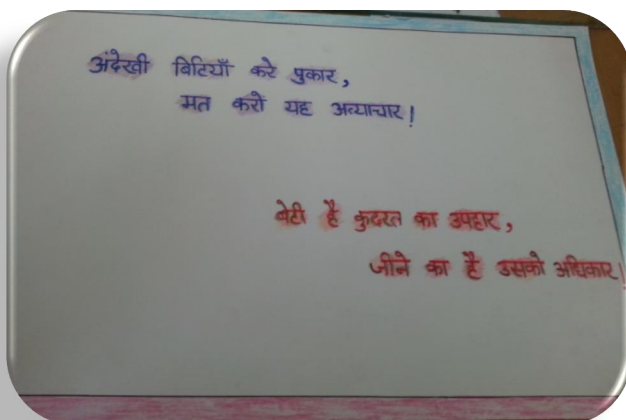
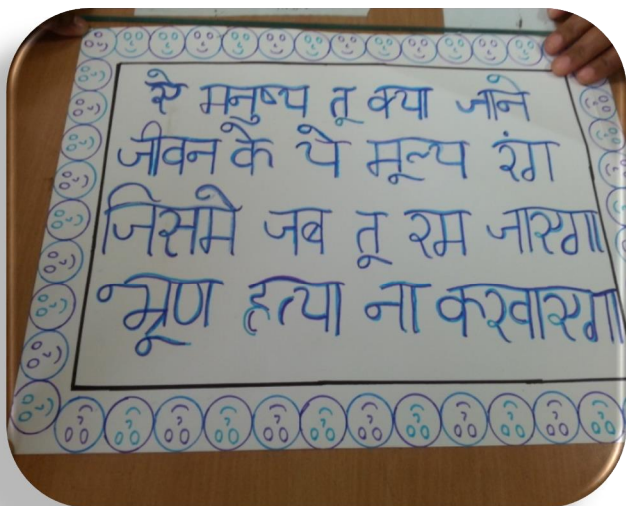








लड़का अच्छा लड़की बेकार,
सभी ने किया लड़की बहिष्कार।

मैं भी एक इंसान हूँ मुझे शर्म आती है,
जब ऐसी आँखें मुझे धरती और तन सुनाते

बेटी बचि अभियान

पैदा होते ही उदासी का माहौल बन जाती
हैं लड़कियाँ।
जाने क्यों लगी की नहीं जाती हैं लड़कियाँ।
कभी बहन, तो कभी बेटी के रिश्ते की निभाते
इस संस्कारों की एक मूर्त बन जाती हैं
लड़कियाँ।

शिक्षा है ऐसा ज्ञान,
सबको मिलना एक सामान।
यह सोचना बेकार है,
लड़का कैसा सपने साकार।



मैं एक लड़की हूँ पर रोक बेटे लगाओ जमाने लगाओ
बेटों पर मत करो अत्याचार
बेटों उसल है बेटों सम्मान है, मत मारो बेटों
की मानवता का अपमान है,
देश की शान होती है
बेटों देश की आन होती है बेटों बेटों से जो
आगे की संजाल पाती है बेटों
बेटों है सम्मान इसका मत करो अपमान,
करो इनको शिक्षित तकि ये करे देश का नाम
लड़की की तुम चाहे हो करते,
लड़के हो तुमसे दूर करते,
बेटों को अपनाओ उनसे,
जो सरकार प्रेम पाओ,
शिक्षित होना बहुत जरूरी
कि काम होगी मूण देश की निमारी
कि शिक्षित होना बहुत जरूरी

